E:\Chandrakant\3 My Docs\1-R.R.LOGO\2 Logo\2 R R Vidyalaya.tif ॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥

***ईस्ट खान्देश एज्युकेशन सोसायटी, संचलित***

**रावसाहेब रुपचंद विद्यालय, जळगाव.**

**अभ्यासपत्रक सन २०२३ -२०२४**

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **महिना** | **महिन्याचे**  **दिवस** | **उपलब्ध**  **तासिका** | **घटक** | **उपघटक** | **आशय / पाठ्यांश** | **शैक्षणिक**  **साहित्य** | **स्वाध्याय** |
| **जून** | १३ | ०८ | समरूपता | त्रिकोणाच्या क्षेत्रफळाच्या गुणोत्तराचे गुणधर्म | त्रिकोणाच्याव क्षेत्रफळांचे गुणोत्तर हे त्यांच्या संगत पाया व संगत उंची यांच्या गुणाकाराच्या गुणोत्तराइतके असते व त्यावरील उदाहरणे | भौमितिक कंपासपेटी  खडू, डस्टर | - |
|  | प्रमाणाचे मूलभूत प्रमेय | त्रिकोणाच्या एका बाजुला समांतर असणारी रेषा इतर दोन बाजुंना दोन भिन्न बिंदुत छेदत असेल तर ती रेषा त्या बाजुंना प्रमाणात विभागते व त्यावरील उदाहरणे |  |  |
| **जुलै** | २५ | १६ | समरूपता | समरूपतेच्या कसोट्या | को.को.को.कसोटी, को.को. कसोटी, बाकोबा कसोटी,बाबाबा कसोटी  दोन समारुप त्रिकोणांच्या क्षेत्रफळांचे गुणोत्तर हे त्यांच्या संगत बाजूंच्या वर्गांच्या गुणोत्तराएवढे असते. व त्यावरील उदाहरणे |  |  |
| पायथागोरसचे प्रमेय | पायथागोरसचे प्रमेय | काटकोन त्रिकोणात कर्णाचा वर्ग हा इतर दोन बाजूंच्या वर्गांच्या बेरजेइतके असते., व त्यावरील उदाहरणे | भौमितिक कंपासपेटी  खडू, डस्टर | प्रॅक्टिकल १ व २ |
| **ऑगस्ट** | २४ | १६ | पायथागोरसचे प्रमेय  वर्तुळ | पायथागोरसचे प्रमेय  वर्तुळावरील प्रमेय | अपोलोनिअसचे प्रमेय व त्याचे उपोयजन व त्यावरील उदाहरणे  प्रथम घटक चाचणी परीक्षा  स्पर्शिका प्रमेय, स्पर्शिका – छेदिका प्रमेय , स्पर्शवर्तुळे व्याख्या व त्यावरील प्रमेय व त्यावर आधारीत उदाहरणे | भौमितिक कंपासपेटी,खडू व डस्टर | प्रॅक्टिकल ३ व ४ |
| **सप्टेंबर** | २३ | १५ | वर्तुळ | वर्तुळावरील प्रमेय | आंतरलिखित कोनाचे प्रमेय – आंतरलिखित कोनाचे माप हे त्याने आंतरखंडीत केलेल्या कंसाच्या मापाच्या निम्मे असते व त्यावरील उदाहरणे |  | प्रॅक्टिकल ५ व ६ |
| भौमितिक रचना | समरूप त्रिकोण | दिलेल्या त्रिकोणाच्या मापणवरून समरूप त्रिकोणांची रचना करणे. | भौमितिक कंपासपेटी  खडू, डस्टर |  |
| **ऑक्टोबर** | २४ | १६ | भौमितिक रचना | वर्तुळाच्या स्पर्शिका काढणे | वर्तुळावरील बिंदुतून जाणारी किंवा वर्तुळाच्या बाह्यबिंदूतून जाणारी वर्तुळास स्पर्शिका काढणे.  सराव व प्रथम सत्र परीक्षा |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **महिना** | **महिन्याचे**  **दिवस** | | **उपलब्ध**  **तासिका** | **घटक** | | **उपघटक** | | | | **आशय / पाठ्यांश** | | | **शैक्षणिक**  **साहित्य** | **स्वाध्याय** | |
| **नोव्हेंबर** | ११ | | ७ | निर्देशक भूमिती | | अंतर | | | | प्रथम सत्र परीक्षा दिवाळी सुटी  अंतराचे सूत्र व त्यावरील उदाहरणे | | |  |  | |
| **डिसेंबर** | २५ | | १६ | निर्देशक भूमिती  त्रिकोणमिती | | चढ काढणे  त्रिकोणमितीय गुणोत्तरे व उपयोजन | | | | दिलेल्या रेषेचा चढ काढणे त्याचे सूत्र व त्यावरील उदाहरणे  उन्नतकोन, अवनतकोन, उंची व अंतर यावरील शाब्दीक उदाहरणे | | | भौमितिक कंपासपेटी  खडू, डस्टर | प्रॅक्टिकल ८ व ९ | |
| **जानेवारी** | २५ | | १६ | **महत्वमापन** | | पृष्टफळ व घनफळ | | | | लंबइष्टीकाचिती, घन, वृत्तचिती, शंकू यांचे पृष्टफळ व घनफळ काढणे त्याची सूत्र व त्यावरील उदाहरणे  व.पा चे क्षेत्रफळ =  कांसाची लांबी =  वरतुलखंडाचे क्षेत्रफळ =  सराव परीक्षा | | | भौमितिक कंपासपेटी  खडू, डस्टर | प्रॅक्टिकल १० | |
| **फेब्रुवारी** | - | | - |  | |  | | | |  | | |  |  | |
| **मार्च** | - | | - |  | |  | | | |  | | |  |  | |
| **परीक्षा** | |  | | |  | |  | **तुकडी** | **विषय शिक्षकाचे नाव** | | **स्वाक्षरी** | **अभ्यासपत्रक तयार करणाऱ्या शिकक्षकाचे नाव –** | | |
| **प्रथम चाचणी** | | प्रकरण १ | | |  | |
| **अ** | श्री पी.आर.श्रावगी | |  | नाव – परेश श्रावगी  स्वाक्षरी -- | | |
| **प्रथम सत्र** | | प्रकरण १ ते ४ | | |  | | **ब** | श्री पी.आर.श्रावगी | |  |
| **क** | सौ. वाय. एच. बडगुजर | |  |
| **ड** | श्री वाय. जी. चौधरी | |  |
| **सराव** | | प्रकरण १ ते ७ | | |  | | **इ** | श्री वाय. जी. चौधरी | |  |
| **फ** | सौ . एम. पी. बऱ्हाटे | |  |
| **ग** | सौ. व्ही . एम . ढाके | |  |
| **ह** | सौ.एस. डी . पाटील | |  |